ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः
गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
पन्तनगर–263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
फोन नम्बरः 05944–233032

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – उधम सिंह नगर

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे | निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून

वर्षः 27 अंकः 50 बुलेटिन अवधिः 27 जून –1 जुलाई, 2018 दिनः मंगलवार दिनाँकः 26 जून, 2018

मौसम पूर्वानुमानः

भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** द्वारा वित्त पोषित एवं **भारत मौसम विज्ञान विभाग** द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत **राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली** द्वारा पूर्वानुमानित तथा **मौसम केन्द्र, देहरादून** द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा **उधम सिंह नगर में अगले पाँच दिनों** में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :–

पूर्वानुमानित मौसम तत्व	मौसम पूर्वानुमान – उधम सिंह नगर				
	27/06/2018	28/06/2018	29/06/2018	30/06/2018	01/07/2018
वर्षा (मिमी0)	3	10	30	40	45
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	35	34	33	32	31
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	25	24	23	22	21
बादल आच्छादन	घने बादल	घने बादल	घने बादल	पूर्णतः आच्छादन	पूर्णतः आच्छादन
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	80	85	90	95	95
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	45	50	55	55	60
वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा)	004	006	008	008	006
वायु की दिशा	दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–पूर्व

आगामी 27 व 28 जून को हल्की वर्षा तथा 29 जून से 01 जुलाई को मध्यम से भारी वर्षा होने तथा आसमान में घने से पूर्णतः बादल छाये रहने की सम्भावना है।

गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पन्तनगर स्थित कृषि मौसम विज्ञान वेधशाला (समुद्रतल से ऊँचाई–243.8 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों (19–25 जून 2018 सुबह 8:30 तक) में आसमान में आंशिक से मध्यम बादल छाये रहे। अधिकतम तापमान 36.0 से 39.9 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 24.1 से 29.0 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 61 से 90 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 33 से 52 प्रतिशत एवं हवा 3.7 से 8.7 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम दिशा से चली।

ऐसे अनुमानित मौसम में गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

कृषि मौसम परामर्श

फसल प्रबन्धः

- भावर एवं तराई में सोंयाबीन बोने का उपयुक्त समय जून के अन्तिम सप्ताह जुलाई प्रथम सप्ताह तक है। बीज दर 75 किग्रा0/है0 रखे। बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित करे। उन्नत प्रजातियों PS-1024, PS-1042 PS-1092, PS-1241, PS1347, PS-1225, PS-19 आदि का प्रयोग करे। सोयाबीन की बुवाई 14–60 से0मी0 पर लाइनो में 3–4 से0मी0 गहराई पर करे। बुवाई के समय 20 kg N_2 60 kg P_2O_5 and 40 kg/Ha पोटाश/है0 का प्रयोग करे।
- मक्का में जहॉ तना बेधक का प्रकोप होता है। बुवाई के समय कार्बोफयूरॉन 3सी0जी0 33 किग्रा0/है0 की दर से मृदा मे डालें।
- धान की नर्सरी डाले।
- धान की प्रजातियो मे मिलावट न हो, इसके लिए पौधशाला उन खेतों मे बनाए जहॉ पिछले वर्ष धान नहीं लगाया गया था तथा उस जगह धान की गुड़ाई/मढ़ाई नहीं किया गया हों।
- नर्सरी हेतु प्रमाणित बीज अथवा स्वस्थ स्वंय उत्पादित बीज उपचार के बाद प्रयोग करना चाहिए।
- बासमती तथा सुगधिंत धान की किस्मो जैसे– टाइप–3, तरावड़ी बासमती, पूसा बासमती–1, पंत सुगंध धान–17, 21, पी0 आर0 एच0 10 आदि की पौध 30 जून तक अवश्य डालें।
- मूगफली की उन्नतशील प्रजातियों– टा0 64, चन्द्रा, कौशल, प्रकाश, अम्बर आदि की बुवाई जून के दूसरे पखवाड़े में करे। बीज दर 60–70 कि0 ग्रा0/है0 रखें तथा 30–45 सेमी0 की दूरी पर बने लाइनो में बुवाई करे।उर्वरको में नत्रजन 20 किग्रा0 P_2O_5 40 किग्रा0 और 45 किग्रा0 पोटाश/है0 तथा 200 किग्रा0 जिप्सम तथा 4 किग्रा0 बोरेक्स का प्रयोग करे।

उद्यान प्रबन्धः

- आम की मध्यम अवधि मे पकने वाली किस्मो की तुड़ाई प्रारम्भ करे।
- आम की तुड़ाई प्रातः अथवा सांयकाल में फलो की लगभग 8–10 मि0मी0 डंठल सहित तुड़ाई करे।
- तुड़ाई किये जाने वाले फलो को सीधे मिट्टी के सम्पर्क में नही आने देना चाहिए ।
- भण्डारण से पूर्व फलो को साफ पानी से धोकर छॉव मे पूरी तरह सुखा लें।
- शीत ग्रह में दशहरी प्रजाति को 12 डिग्री सेल्सियस एवं लंगड़ा को 15 डिग्री सेल्सियस पर भण्डारित करना चाहिए।
- कद्दू वर्गीय सब्जियो मे पत्तियो पर अनियमित आकार के चित्तकबरे धब्बे दिखाई देने पर मैनकोजेब 2.5 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।
- प्याज मे पत्ती झुलसा रोग के नियंत्रण हेतु टेबुकोनाजोल या डिफिनोकोनाजोल या प्रोपीकोनाजोल का 500 मिली0 प्रति है0 की दर से किसी सर्वांगी कीटनाशी का स्टीकर के साथ मिलाकर छिड़काव करे।
- टमाटर व मिर्च की फसल मे सिकुड़े हुए चित्तकबरे पत्ते दिखाई देने पर ग्रसित पौधो को निकालकर नष्ट करे। तथा रस चूसने वाले कीड़ो के नियत्रंण हेतु सर्वागीं कीटनाशी का छिड़काव करें। पछेती झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव हेतु मैनकोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिडकाव करे।

पशुपालन प्रबन्धः

- पशुओ को संक्रामक रोग से बचाने हेतु टीकाकरण करवायें।
- नाइट्रेट विषाक्तता होने पर पशु की श्वसन एवं नाड़ी दर बढ़ जाती है एवं सांस लेने में कठिनाई, मॉसपेशियों में ऐंठन व कमजोरी आ जाती है। इससे बचाव हेतु मेथिलीन ब्लू के 1 प्रतिशत विलयन की 50–100 मि0ली0 मात्रा सीधे ही नस में देना चाहिए।
- सायनाइड ग्रस्त चारा खाए हुए पशु को पानी नही पिलाना चाहिए तथा चारागाहो में चराने ले गये पशुओ को कम बढ़ी हुई ज्वार, बाजरा, चरी की फसल न खाने दे।
- छोटे मुर्झाये हुए पीले व सुखकर ऐठे हुए पौधो को चारे के रूप में उपयोग नही करे।

❖ पशुओं को स्वच्छ, ताजा एवं ठंडा जल दिन में तीन बार (सुबह, दोपहर, शाम) पिलाना चाहिए। यदि पशु के शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी मौजूद हो तो उसकी चमड़ी के तापमान एवं मौसम के तापमान में सामंजस्य बना रहता है एवं पशु को लू भी नहीं लगती।

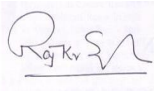

डा0 आर0 के0 सिंह
प्राध्यापक एवं प्रिंसिपल नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,
गो.ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विश्वविद्यालय, पन्तनगर